देवलाली, महाराष्ट्र में आर्टिलरी द्वारा चांदमारी के अभ्यास के लिये भूमि प्राप्त किया जाना

1125. श्री महामू सिकृषा कोम : क्या उप प्रधान मंत्री तथा रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार महाराष्ट्र में देवलाली में आर्टिलरी द्वारा चांदमारी के अभ्यास के लिए केन्द्र स्थापित करेगी;

(ख) यदि हां, तो इस प्रयोजन के लिए कितनी भूमि प्राप्त की जा रही है और इसके परिणामस्वरूप कितने गांव खाली कराये जा रहे हैं और कितने लोगों को हटाया जा रहा है; और

(ग) यदि हां, तो सरकार उनको बसाने के लिए क्या कार्यवाही कर रही है?

उप प्रधान मंत्री तथा रक्षा मंत्री (श्री जगजीवन राम) : (क) देवलाली में स्थाई तौर पर अधिग्रहीत चांदमारी क्षेत्र पहले से ही मौजूद है। इस चांदमारी क्षेत्र को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त भूमि प्राप्त की जा रही है ताकि उसमें दूरी तक मार कर सकने वाले आधुनिक हथियारों का अभ्यास किया जा सके।

(ख) अब 30922 एकड़ भूमि और अधिग्रहीत की जा रही है। इसके परिणामस्वरूप 18 गांवों के 9104 व्यक्तियों को बसाना होगा।

(ग) अधिग्रहीत की जा रही भूमि और अन्य परिसम्पत्तियों के लिए सरकार मुआवजा देती है। विस्थापित व्यक्तियों को इस मुआवजे से बसाने से संबंधित अगली कार्रवाई पर महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा अधिक अच्छी तरह विचार किया जा सकता है।

Latest Technology for production of Penicillin and Streptimycin

*1126. SHRI S. R. DAMANI: Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Hindustan Antibiotics Ltd., has not been keeping abreast of the latest technology available in India and abroad in the production of Penicillin and Streptomycin, the two important life-saving drugs;

(b) if so, the reasons thereof; and

(c) whether Government propose to appoint a committee to enquire into the facts and fix the responsibility?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA) (a) In the recent past, Hindustan Antibiotics Ltd., have been keeping themselves abreast of the latest developments in this field and presently possess strain/technology for the manufacture of Penicillin and Streptomycin which would compare favourably with international standards.

(b) and (c). Do not arise.

Vacancies of Announcers of certain languages in Simla Station of A.I.R.

*1127. SHRI GANGA SINGH: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there are no Announcers in the Simla Station of A.I.R. of the following important dialects of Himachal Pradesh:—

(i) Mandyali

(ii) Lahuli

(iii) Pangwali;

(b) if so, since when these posts are vacant; and

(c) when are they likely to be filled?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L.K. ADVANI): (a) to (c). Originally, before the implementation of the norms prescribed by the SIU, posts of Announcers (Comperes) were sanctioned for each of the dialects. However, AIR, Simla could not get suitable persons for Mandyali & Pangwali dialects and these posts have not been filled since the date of their creation on 22.8.1970. The post of Lahuli dialect where a Compere was working become vacant after his resignation from 20-7-1972.